

Text Scan Input Form - Title Page

TBRC Volume Number	3886
TBRC Work Number (W)	6457
Title	ཁམ་ཁ་བྲག་རི་དམ་ཚིག་དྲིའི་གསུང་འབྲས་
	gsung 'bum / dam tshig rdo rje
Author	བྲག་རི་དམ་ཚིག་དྲིའི་
	dam tshig rdo rje grags pa dpal
Descriptor	reproduced from an often unclear set of the blocks from mongolia; only copy known to exist
Original Publication	
Place	[lan kru'u]
Publisher	[nub byang mi rigs slob grwa chen mo]
Date	[2000?]
Total Volumes	21
Current Volume (of Total)	19
Number of TBRC Introductory Pages	2
Number of Introductory Pages	
Number of Text Pages	982
TBRC Scanning Information	scanned at the tibetan buddhist resource center, 115 5th ave., 7th floor, new york city, ny 10003 2004

Surrogate Cataloging Record

Khal kha dam tshig rdo rje'i gsung 'bum

Control Number: W6457

Type of Material: Book (Print, Microform, Electronic, etc.)

Personal Name: Dam-tshig-rdo-rje, Brag-ri. 1781-1855

Main Title: Khal kha Dam tshig rdo rje'i gsung 'bum.

Edition Information: Reproduced from an unclear set of prints from the Urga blocks

Published/Created: [Lan kru'u : Nub byang mi rigs slob grwa chen mo]

Related Titles: Khal kha Dam tshig rdo rje'i gsung 'bum bzhugs so

Description: 21 v.

Notes: In Tibetan

LC Classification: BQ7550 +

Geog. Area Code: a-cc-ti a-cc-im

CALL NUMBER: BQ7550 +

2

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

12

St. John's, Nfld.

599

[illegible]

2

[illegible]

224

1997

21

10

[illegible]

19-5

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of a Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

[illegible]

सुखदिव्यं चक्रं चक्रि-

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति पदं वैकुण्ठसूक्तं ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति पदं वैकुण्ठसूक्तं ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति पदं वैकुण्ठसूक्तं ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति पदं वैकुण्ठसूक्तं ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति पदं वैकुण्ठसूक्तं ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति पदं वैकुण्ठसूक्तं ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति पदं वैकुण्ठसूक्तं ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति पदं वैकुण्ठसूक्तं ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति पदं वैकुण्ठसूक्तं ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति पदं वैकुण्ठसूक्तं ॥ १० ॥

दोन-समाज्यापवणावेमुफळेकेंणतेदयेयठरासपदन। देव
 दोन-समाज्यापवणावेमुफळेकेंणतेदयेयठरासपदन। देव
 पुत्रदत्तुदायापवणावेमुफळेकेंणतेदयेयठरासपदन। देव
 तेमहादेवापवणावेमुफळेकेंणतेदयेयठरासपदन। देव
 तारापवणावेमुफळेकेंणतेदयेयठरासपदन। देव
 गोपापवणावेमुफळेकेंणतेदयेयठरासपदन। देव
 गोपापवणावेमुफळेकेंणतेदयेयठरासपदन। देव
 गोपापवणावेमुफळेकेंणतेदयेयठरासपदन। देव
 गोपापवणावेमुफळेकेंणतेदयेयठरासपदन। देव

Handwritten notes in the left margin, including the number 10 and some illegible script.

20.
[Illegible text in Devanagari script, likely a manuscript page with a large number 20 in the top left margin.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु अष्टाध्याय्ये अष्टोत्तशतिकाध्याये ॥

一、

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

संस्कृत-विद्यापीठ, मुंबई

[illegible]

73

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

શ્રીગણેશ

5

[illegible]

[illegible]

Handwritten notes in the left margin.

Vertical text in the left margin, likely a title or reference.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
[The main body of the text contains several lines of handwritten Sanskrit script, including the phrase 'नमो भगवते वासुदेवाय' and other devotional verses.]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to severe blurring and noise. It appears to be a continuous passage of handwritten text in Devanagari script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुखं भवति ॥

[illegible]

13

[illegible]

কলকাতা কলেজ

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...

陳子昂

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

25

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्माया द्रुपदो वीर्यवान् । मामाप्रभुर्धूमकेतुर्वीर्यवान्
द्रुपदश्चैव तदा । अस्मिन्निमित्ते कायान्तविमूढतामवाप्नुयामहे
उच्यते ॥

[illegible]

[illegible]

212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000

李

20

2/10/2
4
24
[5]
/ 10



27
3
1992
4

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पादौ ध्यात्वा त्रिभुवनं पश्येति मे मनः । दृष्ट्वा तु पादापत्यं पाशैश्च विबद्धं पादौ पश्येति बहुधा मे मया ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten notes in the left margin, including the number 10 and some illegible script.

Handwritten text in Devanagari script, organized into four horizontal lines. The text is dense and appears to be a historical or religious document. The script is somewhat faded and difficult to read in places.

Line 1: ...
Line 2: ...
Line 3: ...
Line 4: ...

[illegible]



435



32

सुतादीपनवर्द्धनस्यैवमिहोक्तं

॥ वाङ्मयस्य मन्त्रः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

100

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥

77-78

References

1

2

3

[illegible]

[illegible]

वर्द्धनं शक्तिः शक्तिः शक्तिः

[illegible]

[illegible]

129

। अर्द्धशुद्धस्य शुद्धस्य । पठत्येकं शुद्धं स हि ह्यस्य शुद्धस्यैव । असौ च यो वदति त्रयं शुद्धं शुद्धं शुद्धं । वेद्यते । अर्द्धं शुद्धं ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः । ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

3

১৯৮০

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ON

[illegible]

2532 街金

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

W. F. Felt Aug 1891

20

[illegible]

Handwritten text in the main body of the manuscript, consisting of several lines of script.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

56 of 200

62

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

命

آپس

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...

100	101
102	103
104	105
106	107
108	109
110	111
112	113
114	115
116	117
118	119
120	121
122	123
124	125
126	127
128	129
130	131
132	133
134	135
136	137
138	139
140	141
142	143
144	145
146	147
148	149
150	151
152	153
154	155
156	157
158	159
160	161
162	163
164	165
166	167
168	169
170	171
172	173
174	175
176	177
178	179
180	181
182	183
184	185
186	187
188	189
190	191
192	193
194	195
196	197
198	199
200	201
202	203
204	205
206	207
208	209
210	211
212	213
214	215
216	217
218	219
220	221
222	223
224	225
226	227
228	229
230	231
232	233
234	235
236	237
238	239
240	241
242	243
244	245
246	247
248	249
250	251
252	253
254	255
256	257
258	259
260	261
262	263
264	265
266	267
268	269
270	271
272	273
274	275
276	277
278	279
280	281
282	283
284	285
286	287
288	289
290	291
292	293
294	295
296	297
298	299
300	301
302	303
304	305
306	307
308	309
310	311
312	313
314	315
316	317
318	319
320	321
322	323
324	325
326	327
328	329
330	331
332	333
334	335
336	337
338	339
340	341
342	343
344	345
346	347
348	349
350	351
352	353
354	355
356	357
358	359
360	361
362	363
364	365
366	367
368	369
370	371
372	373
374	375
376	377
378	379
380	381
382	383
384	385
386	387
388	389
390	391
392	393
394	395
396	397
398	399
400	401
402	403
404	405
406	407
408	409
410	411
412	413
414	415
416	417
418	419
420	421
422	423
424	425
426	427
428	429
430	431
432	433
434	435
436	437
438	439
440	441
442	443
444	445
446	447
448	449
450	451
452	453
454	455
456	457
458	459
460	461
462	463
464	465
466	467
468	469
470	471
472	473
474	475
476	477
478	479
480	481
482	483
484	485
486	487
488	489
490	491
492	493
494	495
496	497
498	499
500	501
502	503
504	505
506	507
508	509
510	511
512	513
514	515
516	517
518	519
520	521
522	523
524	525
526	527
528	529
530	531
532	533
534	535
536	537
538	539
540	541
542	543
544	545
546	547
548	549
550	551
552	553
554	555
556	557
558	559
560	561
562	563
564	565
566	567
568	569
570	571
572	573
574	575
576	577
578	579
580	581
582	583
584	585
586	587
588	589
590	591
592	593
594	595
596	597
598	599
600	601
602	603
604	605
606	607
608	609
610	611
612	613
614	615
616	617
618	619
620	621
622	623
624	625
626	627
628	629
630	631
632	633
634	635
636	637
638	639
640	641
642	643
644	645
646	647
648	649
650	651
652	653
654	655
656	657
658	659
660	661
662	663
664	665
666	667
668	669
670	671
672	673
674	675
676	677
678	679
680	681
682	683
684	685
686	687
688	689
690	691
692	693
694	695
696	697
698	699
700	701
702	703
704	705
706	707
708	709
710	711
712	713
714	715
716	717
718	719
720	721
722	723
724	725
726	727
728	729
730	731
732	733
734	735
736	737
738	739
740	741
742	743
744	745
746	747
748	749
750	751
752	753
754	755
756	757
758	759
760	761
762	763
764	765
766	767
768	769
770	771
772	773
774	775
776	777
778	779
780	781
782	783
784	785
786	787
788	789
790	791
792	793
794	795
796	797
798	799
800	801
802	803
804	805
806	807
808	809
810	811
812	813
814	815
816	817
818	819
820	821
822	823
824	825
826	827
828	829
830	831
832	833
834	835
836	837
838	839
840	841
842	843
844	845
846	847
848	849
850	851
852	853
854	855
856	857
858	859
860	861
862	863
864	865
866	867
868	869
870	871
872	873
874	875
876	877
878	879
880	881
882	883
884	885
886	887
888	889
890	891
892	893
894	895
896	897
898	899
900	901
902	903
904	905
906	907
908	909
910	911
912	913
914	915
916	917
918	919
920	921
922	923
924	925
926	927
928	929
930	931
932	933
934	935
936	937
938	939
940	941
942	943
944	945
946	947
948	949
950	951
952	953
954	955
956	957
958	959
960	961
962	963
964	965
966	967
968	969
970	971
972	973
974	975
976	977
978	979
980	981
982	983
984	985
986	987
988	989
990	991
992	993
994	995
996	997
998	999
1000	1001

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । पाशेभ्यः प्रमुखात्तु मम हस्तैश्च यत्प्रपन्नम् ।
तच्छीघ्रं दत्तु मे त्वया नृप । शिरसाक्षौभ्यश्चान्नमस्त्वये ॥
श्रीकृष्ण उवाच । अहो युधिष्ठिर ! इति चेत्तदा ।
अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा । अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा । अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा ।
अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा । अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा । अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा ।
अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा । अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा । अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा ।
अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा । अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा । अथ कुरुधर्मं ध्यात्वा ।

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुदक्षिणायामं कृत्वा यथाशक्ति भगवत्पुत्रं वन्दे ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुदक्षिणायामं कृत्वा यथाशक्ति भगवत्पुत्रं वन्दे ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुदक्षिणायामं कृत्वा यथाशक्ति भगवत्पुत्रं वन्दे ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुदक्षिणायामं कृत्वा यथाशक्ति भगवत्पुत्रं वन्दे ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुदक्षिणायामं कृत्वा यथाशक्ति भगवत्पुत्रं वन्दे ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुदक्षिणायामं कृत्वा यथाशक्ति भगवत्पुत्रं वन्दे ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुदक्षिणायामं कृत्वा यथाशक्ति भगवत्पुत्रं वन्दे ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुदक्षिणायामं कृत्वा यथाशक्ति भगवत्पुत्रं वन्दे ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast.]

[illegible]

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वद ॥
 कुरुक्षेत्रे भवत्युत्तमो युद्धमय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

361

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पु.पु.पु.

[illegible]

13

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

103

14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

103

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीत्तदा पाण्डुपुत्रो मे वीर्यवान् ॥
 द्रुपदश्च भीमार्जुनसमो युधिष्ठिरश्च ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीत्तदा पाण्डुपुत्रो मे वीर्यवान् ॥
 द्रुपदश्च भीमार्जुनसमो युधिष्ठिरश्च ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीत्तदा पाण्डुपुत्रो मे वीर्यवान् ॥
 द्रुपदश्च भीमार्जुनसमो युधिष्ठिरश्च ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

29

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, consisting of approximately 10 lines. The text is written in a cursive style and is mostly illegible due to the quality of the scan. It appears to be a continuous passage of prose or a list of items.

張元

199

[illegible]

[illegible]

[illegible]

一、
二、
三、
四、
五、
六、
七、
八、
九、
十、

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly stylized and appears to be a form of shorthand or a specific dialect, possibly related to the religious context mentioned above. It consists of several lines of dense script.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

... ॥ १ ॥ ... ॥ २ ॥ ... ॥ ३ ॥ ... ॥ ४ ॥ ... ॥ ५ ॥ ... ॥ ६ ॥ ... ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ ... ॥ ९ ॥ ... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

20

21

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

23

وَبَرِّقُوا

[illegible]

इति श्री

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादोऽध्यायः ॥ १७ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2007

4.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

1997

[illegible]

[illegible]

李天德

CONCLUSIONS

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

一、

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a Sanskrit manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and characteristic of traditional Indian manuscripts. The text appears to be a form of Sanskrit, possibly a liturgical or philosophical text, given the use of characters like 'ॐ' (Om) and 'स' (Sa).

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

५.०९५ ०५५५

[illegible]

[illegible]

५६७५५

[illegible]

[illegible]

5065

अनुसूची

[illegible]

Handwritten text in the left margin, likely a commentary or reference.

Handwritten text in the main body of the manuscript, consisting of several lines of script.

Handwritten text in the right margin, likely a commentary or reference.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

— 22 —

[illegible]

[illegible]

1

79

[illegible]

21

[illegible]

五、

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a Sanskrit manuscript. The text is arranged in several lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The text is written in a cursive style.

Handwritten marginal notes on the right side of the page.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

白灰

२५१

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

金

[illegible]

[illegible]

الم



22

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

2

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
मां संन्यस्तान् मया तन्मैत्रियुग्मेष्टतः । आकाशस्फोटप्रमाणं
निमित्तं तावदात्मनो विलम्बितधीः । त्वं द्रुपदपुत्र उवाच ।
अहो महामना ! त्वं हि श्रेष्ठतमो धीमान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो
धर्म्मज्ञः । त्वं हि श्रेष्ठतमो योद्धा । त्वं हि श्रेष्ठतमो बलवान् ।
त्वं हि श्रेष्ठतमो वीर्यवान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो धैर्यवान् । त्वं
हि श्रेष्ठतमो ज्ञानवान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो योगवान् । त्वं हि
श्रेष्ठतमो सत्यवान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो दानवान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो
विद्यावान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो वीर्यवान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो
धैर्यवान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो ज्ञानवान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो योगवान् ।
त्वं हि श्रेष्ठतमो सत्यवान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो दानवान् । त्वं हि
श्रेष्ठतमो विद्यावान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो वीर्यवान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो
धैर्यवान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो ज्ञानवान् । त्वं हि श्रेष्ठतमो योगवान् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of a Sanskrit manuscript.]

[illegible]

५५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

—

[illegible]

馬六甲 1875

591

[illegible]

23

[The following section contains extremely faint and illegible handwritten Devanagari script.]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

संस्कृत-संज्ञा

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a continuation of a Sanskrit manuscript.]

22

[illegible]

[illegible]

सुखी सुखी

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
पञ्चदशोऽध्यायः । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव
कीर्यते वीराः । ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
मामकाः पाण्डवाश्चैव कीर्यते वीराः । ॥ २ ॥ भीमार्जुनसमा युधि । युयुत्सवः
केरिर्द्रुपः प्रहोतः । ॥ ३ ॥ तस्यैव शिष्यस्तथा । आचार्यमुपसंगम्य । ॥ ४ ॥
आचार्य उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव
कीर्यते वीराः । ॥ ५ ॥

[illegible]

四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

822

2

22

[illegible]

॥ अथ भूतप्रेतसंहरणं ॥ १ ॥ यस्तु कुर्यात्तुल्यमङ्गुली ॥ २ ॥ एवमेव देहस्य सारसंकेतः ॥ ३ ॥ पूर्ववर्तेन दशरूपसंज्ञकम् ॥ ४ ॥

22

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ ३३७ ॥ भूमिमेव गच्छेत्तुं देवस्य भगवतो वसुदेवस्य । श्रेष्ठं यत्तु वसुदेवस्य भगवतो वसुदेवस्य । दक्षिणं यत्तु वसुदेवस्य भगवतो वसुदेवस्य ।
यत्तु वसुदेवस्य भगवतो वसुदेवस्य । दक्षिणं यत्तु वसुदेवस्य भगवतो वसुदेवस्य । दक्षिणं यत्तु वसुदेवस्य भगवतो वसुदेवस्य ।
यत्तु वसुदेवस्य भगवतो वसुदेवस्य । दक्षिणं यत्तु वसुदेवस्य भगवतो वसुदेवस्य । दक्षिणं यत्तु वसुदेवस्य भगवतो वसुदेवस्य ।
यत्तु वसुदेवस्य भगवतो वसुदेवस्य । दक्षिणं यत्तु वसुदेवस्य भगवतो वसुदेवस्य । दक्षिणं यत्तु वसुदेवस्य भगवतो वसुदेवस्य ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

2000

12/12

125

[illegible]

23

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गुणधर्माणां संज्ञा संज्ञा

20

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

103

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्ति मामासीत । एहं त्वान्निबोधयिष्याम्यर्जुन ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रीगणेशाय नमः

[illegible]

100

[illegible]

[illegible]

सुदृढ
दृष्टि
शक्ति

[illegible]

[illegible]

THE

4

一、

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । अहं हि परमो भक्तः किमिच्छामि धर्माय ।

[illegible]

गुणध्व - अर्थशास्त्रात्

[illegible]

2

[illegible]

39

भारतवर्ष

[illegible]

[illegible]

सुप्रसन्न
श्री गुरुभ्यो नमः

2000

Figure 1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु अष्टादशोऽध्याये ॥

3

[illegible]

सुप्रसन्नः श्रीगणेशः

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

गुणवत् 'अनन्त' शिव

[illegible]

34

[illegible]

[illegible]

343

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

1948

सुप्रधान सेना कोष

[illegible]

52

Handwritten text in the left margin, likely a commentary or index.

Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of several lines of prose.

Handwritten text in the right margin, possibly a reference or additional note.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नदहृदयमभ्युदयते श्रीवदुष्यकलेरुद्रकप्रसन्नपद्मे कृष्णसंगसोमसंगमस्युपकुपयति यदवगच्छमाक्षीणकस्यैवप्रियेयि कृष्णसदयः सुममाप्स्यपदेकमपस्यनिपदुस
परचुर्यो । श्रीवदुष्यकलेरुद्रकप्रसन्नपद्मे कृष्णसंगसोमसंगमस्युपकुपयति यदवगच्छमाक्षीणकस्यैवप्रियेयि कृष्णसदयः सुममाप्स्यपदेकमपस्यनिपदुस
श्रीवदुष्यकलेरुद्रकप्रसन्नपद्मे कृष्णसंगसोमसंगमस्युपकुपयति यदवगच्छमाक्षीणकस्यैवप्रियेयि कृष्णसदयः सुममाप्स्यपदेकमपस्यनिपदुस
उद्यदुद्रकप्रसन्नपद्मे कृष्णसंगसोमसंगमस्युपकुपयति यदवगच्छमाक्षीणकस्यैवप्रियेयि कृष्णसदयः सुममाप्स्यपदेकमपस्यनिपदुस
वदुष्यकलेरुद्रकप्रसन्नपद्मे कृष्णसंगसोमसंगमस्युपकुपयति यदवगच्छमाक्षीणकस्यैवप्रियेयि कृष्णसदयः सुममाप्स्यपदेकमपस्यनिपदुस
पदुष्यकलेरुद्रकप्रसन्नपद्मे कृष्णसंगसोमसंगमस्युपकुपयति यदवगच्छमाक्षीणकस्यैवप्रियेयि कृष्णसदयः सुममाप्स्यपदेकमपस्यनिपदुस

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

18

[illegible]

352

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विष्णु-सूक्तम्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

50

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Vertical text on the left margin, likely a library or collection identifier.

Handwritten text in Devanagari script, arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a classical Indian language. The text is written in black ink on a light-colored background.

Vertical text on the right margin, likely a page number or a reference mark.

[illegible]

1945

[illegible]

373

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवसर्गस्य ह्यसौ वासुदेवः प्रकृत्यैव सत्त्वस्य च तद्विष्णुर्वाक्येन च ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवसर्गस्य ह्यसौ वासुदेवः प्रकृत्यैव सत्त्वस्य च तद्विष्णुर्वाक्येन च ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवसर्गस्य ह्यसौ वासुदेवः प्रकृत्यैव सत्त्वस्य च तद्विष्णुर्वाक्येन च ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

2014 10 10

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]



GA

林

[illegible]

SECRET

५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

2

[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100

12/2/2011

672

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ।

[illegible]

आपका सचिव

[illegible]

[illegible]

Vertical text on the left margin, likely a page number or reference.

Main body of handwritten text in a historical script, possibly Indic or Chinese, arranged in horizontal lines.

Vertical text on the right margin, likely a page number or reference.

[illegible]

领

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय

— 303 —

[illegible]

५६४३७

[illegible]

॥ ॐ ॥ परं कं वदन्ते न शक्यं रदु । रपद वदन्ते न शक्यं रदु । विषयसु रसा । वरदुष्टु पय वजस्ये मर्क वने रवे । सुदयसा । सुरावे रवे पय रमर पय । कुप
रम रवे रवे रदु । वपस र्क य सुप रवे रवे रदु । वरम र्क य रवे रवे रदु । विज्ञा वर रवे रवे रदु । सुप रवे रवे रदु । विषय रदु । व
रदु । सुव वर रवे रवे रदु । वर रवे रवे रदु । विषय । सुप रवे रवे रदु । सुदयसा । कर्क सुव रवे रवे रदु । रदु
सुप रवे रवे रदु । विषय रदु । सुप रवे रवे रदु । वर रवे रवे रदु । रदु । सुप रवे रवे रदु । विषय । सुप रवे रवे रदु । रदु
सुप रवे रवे रदु । विषय रदु । सुप रवे रवे रदु । वर रवे रवे रदु । रदु । सुप रवे रवे रदु । रदु । सुप रवे रवे रदु । रदु
परदु । विषय । वर रवे रवे रदु । सुप रवे रवे रदु । वर रवे रवे रदु । सुप रवे रवे रदु । रदु । सुप रवे रवे रदु । रदु । सुप रवे रवे रदु । रदु

[illegible]

[illegible]

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

二成爲一

501

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

4756 62 YR 5/1

591

[illegible]

421

[illegible]

[illegible]

[illegible]

महोदय, मुंबई

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

संस्कृत-
पुस्तक-
संख्या-
४३३

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥
॥ ११ ॥
॥ १२ ॥
॥ १३ ॥
॥ १४ ॥
॥ १५ ॥
॥ १६ ॥
॥ १७ ॥
॥ १८ ॥
॥ १९ ॥
॥ २० ॥
॥ २१ ॥
॥ २२ ॥
॥ २३ ॥
॥ २४ ॥
॥ २५ ॥
॥ २६ ॥
॥ २७ ॥
॥ २८ ॥
॥ २९ ॥
॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥
॥ ३२ ॥
॥ ३३ ॥
॥ ३४ ॥
॥ ३५ ॥
॥ ३६ ॥
॥ ३७ ॥
॥ ३८ ॥
॥ ३९ ॥
॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥
॥ ४२ ॥
॥ ४३ ॥
॥ ४४ ॥
॥ ४५ ॥
॥ ४६ ॥
॥ ४७ ॥
॥ ४८ ॥
॥ ४९ ॥
॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥
॥ ५२ ॥
॥ ५३ ॥
॥ ५४ ॥
॥ ५५ ॥
॥ ५६ ॥
॥ ५७ ॥
॥ ५८ ॥
॥ ५९ ॥
॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥
॥ ६२ ॥
॥ ६३ ॥
॥ ६४ ॥
॥ ६५ ॥
॥ ६६ ॥
॥ ६७ ॥
॥ ६८ ॥
॥ ६९ ॥
॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥
॥ ७२ ॥
॥ ७३ ॥
॥ ७४ ॥
॥ ७५ ॥
॥ ७६ ॥
॥ ७७ ॥
॥ ७८ ॥
॥ ७९ ॥
॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥
॥ ८२ ॥
॥ ८३ ॥
॥ ८४ ॥
॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥
॥ ८७ ॥
॥ ८८ ॥
॥ ८९ ॥
॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥
॥ ९२ ॥
॥ ९३ ॥
॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥
॥ ९६ ॥
॥ ९७ ॥
॥ ९८ ॥
॥ ९९ ॥
॥ १०० ॥

[illegible]

पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः

[illegible]

425

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in a script, likely Devanagari, spanning the main body of the page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines.

Handwritten marginal notes on the right side of the page.

[illegible]

1. NAME _____
 2. DATE _____
 3. TIME _____
 4. PLACE _____
 5. REASON _____
 6. WITNESSES _____
 7. SIGNATURE _____
 8. OFFICIAL _____
 9. OFFICE _____
 10. DATE _____
 11. TIME _____
 12. PLACE _____
 13. REASON _____
 14. WITNESSES _____
 15. SIGNATURE _____
 16. OFFICIAL _____
 17. OFFICE _____
 18. DATE _____
 19. TIME _____
 20. PLACE _____
 21. REASON _____
 22. WITNESSES _____
 23. SIGNATURE _____
 24. OFFICIAL _____
 25. OFFICE _____
 26. DATE _____
 27. TIME _____
 28. PLACE _____
 29. REASON _____
 30. WITNESSES _____
 31. SIGNATURE _____
 32. OFFICIAL _____
 33. OFFICE _____
 34. DATE _____
 35. TIME _____
 36. PLACE _____
 37. REASON _____
 38. WITNESSES _____
 39. SIGNATURE _____
 40. OFFICIAL _____
 41. OFFICE _____
 42. DATE _____
 43. TIME _____
 44. PLACE _____
 45. REASON _____
 46. WITNESSES _____
 47. SIGNATURE _____
 48. OFFICIAL _____
 49. OFFICE _____
 50. DATE _____
 51. TIME _____
 52. PLACE _____
 53. REASON _____
 54. WITNESSES _____
 55. SIGNATURE _____
 56. OFFICIAL _____
 57. OFFICE _____
 58. DATE _____
 59. TIME _____
 60. PLACE _____
 61. REASON _____
 62. WITNESSES _____
 63. SIGNATURE _____
 64. OFFICIAL _____
 65. OFFICE _____
 66. DATE _____
 67. TIME _____
 68. PLACE _____
 69. REASON _____
 70. WITNESSES _____
 71. SIGNATURE _____
 72. OFFICIAL _____
 73. OFFICE _____
 74. DATE _____
 75. TIME _____
 76. PLACE _____
 77. REASON _____
 78. WITNESSES _____
 79. SIGNATURE _____
 80. OFFICIAL _____
 81. OFFICE _____
 82. DATE _____
 83. TIME _____
 84. PLACE _____
 85. REASON _____
 86. WITNESSES _____
 87. SIGNATURE _____
 88. OFFICIAL _____
 89. OFFICE _____
 90. DATE _____
 91. TIME _____
 92. PLACE _____
 93. REASON _____
 94. WITNESSES _____
 95. SIGNATURE _____
 96. OFFICIAL _____
 97. OFFICE _____
 98. DATE _____
 99. TIME _____
 100. PLACE _____
 101. REASON _____
 102. WITNESSES _____
 103. SIGNATURE _____
 104. OFFICIAL _____
 105. OFFICE _____
 106. DATE _____
 107. TIME _____
 108. PLACE _____
 109. REASON _____
 110. WITNESSES _____
 111. SIGNATURE _____
 112. OFFICIAL _____
 113. OFFICE _____
 114. DATE _____
 115. TIME _____
 116. PLACE _____
 117. REASON _____
 118. WITNESSES _____
 119. SIGNATURE _____
 120. OFFICIAL _____
 121. OFFICE _____
 122. DATE _____
 123. TIME _____
 124. PLACE _____
 125. REASON _____
 126. WITNESSES _____
 127. SIGNATURE _____
 128. OFFICIAL _____
 129. OFFICE _____
 130. DATE _____
 131. TIME _____
 132. PLACE _____
 133. REASON _____
 134. WITNESSES _____
 135. SIGNATURE _____
 136. OFFICIAL _____
 137. OFFICE _____
 138. DATE _____
 139. TIME _____
 140. PLACE _____
 141. REASON _____
 142. WITNESSES _____
 143. SIGNATURE _____
 144. OFFICIAL _____
 145. OFFICE _____
 146. DATE _____
 147. TIME _____
 148. PLACE _____
 149. REASON _____
 150. WITNESSES _____
 151. SIGNATURE _____
 152. OFFICIAL _____
 153. OFFICE _____
 154. DATE _____
 155. TIME _____
 156. PLACE _____
 157. REASON _____
 158. WITNESSES _____
 159. SIGNATURE _____
 160. OFFICIAL _____
 161. OFFICE _____
 162. DATE _____
 163. TIME _____
 164. PLACE _____
 165. REASON _____
 166. WITNESSES _____
 167. SIGNATURE _____
 168. OFFICIAL _____
 169. OFFICE _____
 170. DATE _____
 171. TIME _____
 172. PLACE _____
 173. REASON _____
 174. WITNESSES _____
 175. SIGNATURE _____
 176. OFFICIAL _____
 177. OFFICE _____
 178. DATE _____
 179. TIME _____
 180. PLACE _____
 181. REASON _____
 182. WITNESSES _____
 183. SIGNATURE _____
 184. OFFICIAL _____
 185. OFFICE _____
 186. DATE _____
 187. TIME _____
 188. PLACE _____
 189. REASON _____
 190. WITNESSES _____
 191. SIGNATURE _____
 192. OFFICIAL _____
 193. OFFICE _____
 194. DATE _____
 195. TIME _____
 196. PLACE _____
 197. REASON _____
 198. WITNESSES _____
 199. SIGNATURE _____
 200. OFFICIAL _____
 201. OFFICE _____
 202. DATE _____
 203. TIME _____
 204. PLACE _____
 205. REASON _____
 206. WITNESSES _____
 207. SIGNATURE _____
 208. OFFICIAL _____
 209. OFFICE _____
 210. DATE _____
 211. TIME _____
 212. PLACE _____
 213. REASON _____
 214. WITNESSES _____
 215. SIGNATURE _____
 216. OFFICIAL _____
 217. OFFICE _____
 218. DATE _____
 219. TIME _____
 220. PLACE _____
 221. REASON _____
 222. WITNESSES _____
 223. SIGNATURE</

25

[illegible]

43

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

34

Handwritten marginal notes in Devanagari script, likely a commentary or a list of items.

Handwritten text in Devanagari script, consisting of several lines of prose. The text appears to be a detailed description or a list of items, possibly related to a medical or scientific treatise. The script is dense and cursive, typical of older Indian manuscripts.

Handwritten marginal note on the right side of the page.

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

03

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

457



235

[illegible]

5

५८८
७
५८८

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

१५५८

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

12. 12. 1954

[illegible]

[illegible]

[illegible]

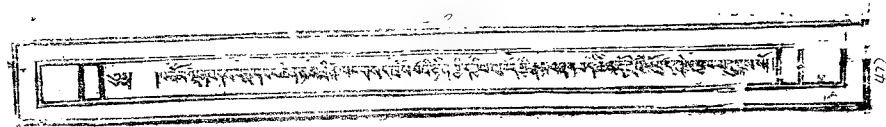
[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

33

[illegible]

524

22



[illegible]

पञ्चमः सर्गः

॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥
अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥
अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥
अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥
अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

09/23 057 48.90

[illegible]

17

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

南 京 市

今更

12

212

1054

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

Handwritten notes in the left margin.

Vertical text on the left side of the main frame.

100

Main body of handwritten text in Devanagari script, arranged in several lines.

503

[illegible]

...समस्त...
...समस्त...
...समस्त...
...समस्त...
...समस्त...
...समस्त...
...समस्त...
...समस्त...
...समस्त...
...समस्त...

...

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible][illegible]

[illegible]

1. 凡在本行開辦之各項業務，均應遵守本行章程及各項規章制度，不得有違。
 2. 本行辦理各項業務，應以誠實信用為宗旨，不得有欺詐行為。
 3. 本行辦理各項業務，應以服務大眾為宗旨，不得有歧視行為。
 4. 本行辦理各項業務，應以合法經營為宗旨，不得有違法行為。
 5. 本行辦理各項業務，應以穩健經營為宗旨，不得有冒險行為。
 6. 本行辦理各項業務，應以透明經營為宗旨，不得有隱瞞行為。
 7. 本行辦理各項業務，應以負責經營為宗旨，不得有推諉行為。
 8. 本行辦理各項業務，應以公正經營為宗旨，不得有偏袒行為。
 9. 本行辦理各項業務，應以效率經營為宗旨，不得有延誤行為。
 10. 本行辦理各項業務，應以安全經營為宗旨，不得有疏忽行為。

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring. It appears to be a dense block of handwritten script.]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are some faint markings or bleed-through visible at the top of the page.]

29

51

[illegible]

517

2019

[illegible]

[illegible]

[illegible]

一、

第 4 页

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on a light background. It appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical record or a collection of items. The script is dense and flowing, characteristic of historical cursive handwriting.

Printed text at the bottom of the page, possibly a title or a reference. It is written in a smaller, more formal font compared to the main body of text.

Main body of handwritten text in a cursive script, consisting of several lines.

Handwritten text in the left margin, likely a reference or title.

Handwritten text in the left margin, likely a reference or title.

Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of multiple lines of prose.

Handwritten text in the right margin, likely a reference or title.

Handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page. The text is arranged in approximately five lines and is mostly illegible due to the quality of the scan and the nature of the bleed-through. Some words like "the" and "and" are faintly visible.

51

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring or fading.]

174.

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script)

॥६॥

12/24

202

 । नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

司多吉 194

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

194.

Handwritten text in a rectangular box, likely a ledger or record book. The text is written in a cursive script and is mostly illegible due to the quality of the scan. The text appears to be organized into columns, possibly representing dates, descriptions, and amounts. There are some numbers visible, such as "100" and "1000".

644

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं
 ब्रूयान्मया श्रुतं ॥ १ ॥

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[The page contains dense handwritten text in Devanagari script, which appears to be bleed-through from the reverse side of the leaf.]



[illegible]

[illegible]

司馬芳

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible.]

572

। वरुणं चन्द्रमसं शक्रं वायुदेवम् । अश्विनं सूर्यपुत्रं जलेश्वरं । इन्द्रं पृथिवीधरां भगवंतं । अग्निं देवर्षिं ब्रह्मात्मकं । विष्णुं हृदये स्थितं । शिवं त्रिमूर्तिनाम् । नमस्कृत्यैव ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जविरचिते
 महाभारतस्य द्रुपदोक्तो नामाष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामुनिवन्द्य । त्वं हि
 ज्ञानमयं ब्रह्मणोऽस्य हृदि निवस्य ॥ १ ॥
 त्वं हि ज्ञानमयं ब्रह्मणोऽस्य हृदि निवस्य ॥ २ ॥
 त्वं हि ज्ञानमयं ब्रह्मणोऽस्य हृदि निवस्य ॥ ३ ॥
 त्वं हि ज्ञानमयं ब्रह्मणोऽस्य हृदि निवस्य ॥ ४ ॥
 त्वं हि ज्ञानमयं ब्रह्मणोऽस्य हृदि निवस्य ॥ ५ ॥
 त्वं हि ज्ञानमयं ब्रह्मणोऽस्य हृदि निवस्य ॥ ६ ॥
 त्वं हि ज्ञानमयं ब्रह्मणोऽस्य हृदि निवस्य ॥ ७ ॥
 त्वं हि ज्ञानमयं ब्रह्मणोऽस्य हृदि निवस्य ॥ ८ ॥
 त्वं हि ज्ञानमयं ब्रह्मणोऽस्य हृदि निवस्य ॥ ९ ॥
 त्वं हि ज्ञानमयं ब्रह्मणोऽस्य हृदि निवस्य ॥ १० ॥

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are some marginal notes or corrections visible on the left side of the page.]

58

33

[The page contains dense handwritten text in Chinese script, likely from a historical document or manuscript.]

1. 1950年10月1日，中华人民共和国成立，标志着中国历史进入了一个新的纪元。

15



221
1

[illegible]

12

939

[illegible]

[illegible]

10

92

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

日
同
多
方
著

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]



42

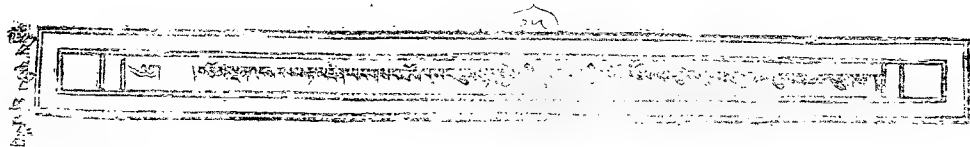
[illegible]

[illegible]

॥ ५३ ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

合

子



[illegible]

152
P. 1
150
150
150

上海
 華英書局
 發行

152

[The page contains dense handwritten text in Devanagari script.]

一、
二、
三、
四、
五、
六、
七、
八、
九、
十、
十一、
十二、
十三、
十四、
十五、
十六、
十七、
十八、
十九、
二十、
二十一、
二十二、
二十三、
二十四、
二十五、
二十六、
二十七、
二十八、
二十九、
三十、
三十一、
三十二、
三十三、
三十四、
三十五、
三十六、
三十七、
三十八、
三十九、
四十、
四十一、
四十二、
四十三、
四十四、
四十五、
四十六、
四十七、
四十八、
四十九、
五十、
五十一、
五十二、
五十三、
五十四、
五十五、
五十六、
五十七、
五十八、
五十九、
六十、
六十一、
六十二、
六十三、
六十四、
六十五、
六十六、
六十七、
六十八、
六十九、
七十、
七十一、
七十二、
七十三、
七十四、
七十五、
七十六、
七十七、
七十八、
七十九、
八十、
八十一、
八十二、
八十三、
八十四、
八十五、
八十六、
八十七、
八十八、
八十九、
九十、
九十一、
九十二、
九十三、
九十四、
九十五、
九十六、
九十七、
九十八、
九十九、
一百、

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[The image shows several lines of handwritten text in Devanagari script, which appears to be bleed-through from the reverse side of the page. The text is mostly illegible due to fading and overlapping.]

15

1. 凡我同胞，如有不肖子弟，
 2. 在外滋事，或有不敬之舉，
 3. 或有損名譽之事，務請
 4. 隨時糾正，以維風化。此
 5. 佈。

1. 凡在本行開辦之各項業務，均應遵守本行所定之規章制度，並應隨時注意業務之改進，以期提高服務品質。

[illegible]

卷之四
 四
 五
 六
 七
 八
 九
 十
 十一
 十二
 十三
 十四
 十五
 十六
 十七
 十八
 十九
 二十
 二十一
 二十二
 二十三
 二十四
 二十五
 二十六
 二十七
 二十八
 二十九
 三十
 三十一
 三十二
 三十三
 三十四
 三十五
 三十六
 三十七
 三十八
 三十九
 四十
 四十一
 四十二
 四十三
 四十四
 四十五
 四十六
 四十七
 四十八
 四十九
 五十
 五十一
 五十二
 五十三
 五十四
 五十五
 五十六
 五十七
 五十八
 五十九
 六十
 六十一
 六十二
 六十三
 六十四
 六十五
 六十六
 六十七
 六十八
 六十九
 七十
 七十一
 七十二
 七十三
 七十四
 七十五
 七十六
 七十七
 七十八
 七十九
 八十
 八十一
 八十二
 八十三
 八十四
 八十五
 八十六
 八十七
 八十八
 八十九
 九十
 九十一
 九十二
 九十三
 九十四
 九十五
 九十六
 九十七
 九十八
 九十九
 一百

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately five horizontal lines across the page. Due to the low resolution and high contrast of the scan, the individual characters are difficult to decipher accurately. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]

一、關於我國經濟建設之現狀
 我國經濟建設之現狀，可分農業、工業、交通、金融、貿易五方面述之。
 農業方面，我國農業生產，近年來雖有進步，但生產力仍極低，農民生活極其困苦。
 工業方面，我國工業生產，近年來雖有進步，但生產力仍極低，農民生活極其困苦。
 交通方面，我國交通建設，近年來雖有進步，但生產力仍極低，農民生活極其困苦。
 金融方面，我國金融建設，近年來雖有進步，但生產力仍極低，農民生活極其困苦。
 貿易方面，我國貿易建設，近年來雖有進步，但生產力仍極低，農民生活極其困苦。

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a letter or document. The text is written in a single column and appears to be in a historical or literary context. The script is dense and flowing, with many ligatures and flourishes. The text is written in a dark ink on a light-colored paper.

Handwritten text, possibly a signature or a date, located at the bottom right of the page.

Handwritten text, possibly a signature or a date, located at the bottom right of the page.

20

उत्तराखण्ड

1992

2012年12月

2021

12-13

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to extreme contrast reduction. It appears to be a continuation of the handwritten script from the previous page.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

23

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1952年12月25日

अथ हिन्दुधर्मस्य सारं विदुः

प्राप्तः

18. The following are the names of the persons who have been appointed as members of the committee to investigate the charges against the President of the United States:

1947

١٢٨

2000

92-10-8-207

22/11/2019 14:00:00

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

संस्कृत-विश्वकोश

॥ अथ श्रुत्वा तत्रैव पठितुं प्रारब्धं तदा तत्रैव पठितुं प्रारब्धं तदा तत्रैव पठितुं प्रारब्धं ॥ २४ ॥ २४ ॥

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible][illegible]

11/11/2019 10:10 AM

卷之五

第 1 卷

[illegible]

2019年12月

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५. निम्नलिखित में से एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

1. विद्यया ऽमृतमश्नुते

२२१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

पञ्चदश्यां चतुर्दशीयां च त्रयोदशीयां च द्वयोदशीयां च एकोदशीयां च दशम्यां च नवम्यां च अष्टम्यां च सप्तम्यां च षष्ठ्यां च पंचम्यां च चतुर्थ्यां च तृतीयां च द्वितीयां च प्रथमां च

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्चनम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[The page contains dense handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side. The handwriting is cursive and fills most of the page area.]

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जताः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॥ २ ॥
 ॥ ३ ॥
 ॥ ४ ॥
 ॥ ५ ॥
 ॥ ६ ॥
 ॥ ७ ॥
 ॥ ८ ॥
 ॥ ९ ॥
 ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥
 ॥ १२ ॥
 ॥ १३ ॥
 ॥ १४ ॥
 ॥ १५ ॥
 ॥ १६ ॥
 ॥ १७ ॥
 ॥ १८ ॥
 ॥ १९ ॥
 ॥ २० ॥
 ॥ २१ ॥
 ॥ २२ ॥
 ॥ २३ ॥
 ॥ २४ ॥
 ॥ २५ ॥
 ॥ २६ ॥
 ॥ २७ ॥
 ॥ २८ ॥
 ॥ २९ ॥
 ॥ ३० ॥
 ॥ ३१ ॥
 ॥ ३२ ॥
 ॥ ३३ ॥
 ॥ ३४ ॥
 ॥ ३५ ॥
 ॥ ३६ ॥
 ॥ ३७ ॥
 ॥ ३८ ॥
 ॥ ३९ ॥
 ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥
 ॥ ४३ ॥
 ॥ ४४ ॥
 ॥ ४५ ॥
 ॥ ४६ ॥
 ॥ ४७ ॥
 ॥ ४८ ॥
 ॥ ४९ ॥
 ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥
 ॥ ५३ ॥
 ॥ ५४ ॥
 ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥
 ॥ ५७ ॥
 ॥ ५८ ॥
 ॥ ५९ ॥
 ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥
 ॥ ६२ ॥
 ॥ ६३ ॥
 ॥ ६४ ॥
 ॥ ६५ ॥
 ॥ ६६ ॥
 ॥ ६७ ॥
 ॥ ६८ ॥
 ॥ ६९ ॥
 ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥
 ॥ ७२ ॥
 ॥ ७३ ॥
 ॥ ७४ ॥
 ॥ ७५ ॥
 ॥ ७६ ॥
 ॥ ७७ ॥
 ॥ ७८ ॥
 ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥
 ॥ ८२ ॥
 ॥ ८३ ॥
 ॥ ८४ ॥
 ॥ ८५ ॥
 ॥ ८६ ॥
 ॥ ८७ ॥
 ॥ ८८ ॥
 ॥ ८९ ॥
 ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥
 ॥ ९२ ॥
 ॥ ९३ ॥
 ॥ ९४ ॥
 ॥ ९५ ॥
 ॥ ९६ ॥
 ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥
 ॥ ९९ ॥
 ॥ १०० ॥

ॐ

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ १ ॥
समस्तव्यसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ २ ॥
समस्तव्यसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ ३ ॥
समस्तव्यसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ ४ ॥
समस्तव्यसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ ५ ॥
समस्तव्यसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ ६ ॥
समस्तव्यसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ ७ ॥
समस्तव्यसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ ८ ॥
समस्तव्यसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ ९ ॥
समस्तव्यसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ १० ॥

ॐ

2A
1A

第 1 卷

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

6

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a dense Sanskrit manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

2

22

[illegible]

[illegible]

2

三
九

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपदमुनिः प्रवक्ष्यामीति श्रुत्वा तदा ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 २ ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

[illegible]

1
 2
 3
 4
 5
 6
 7
 8
 9
 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525

॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥



[illegible]

629

三、

132

[illegible]

1. **THE**
 2. **THE**
 3. **THE**
 4. **THE**
 5. **THE**
 6. **THE**
 7. **THE**
 8. **THE**
 9. **THE**
 10. **THE**
 11. **THE**
 12. **THE**
 13. **THE**
 14. **THE**
 15. **THE**
 16. **THE**
 17. **THE**
 18. **THE**
 19. **THE**
 20. **THE**
 21. **THE**
 22. **THE**
 23. **THE**
 24. **THE**
 25. **THE**
 26. **THE**
 27. **THE**
 28. **THE**
 29. **THE**
 30. **THE**
 31. **THE**
 32. **THE**
 33. **THE**
 34. **THE**
 35. **THE**
 36. **THE**
 37. **THE**
 38. **THE**
 39. **THE**
 40. **THE**
 41. **THE**
 42. **THE**
 43. **THE**
 44. **THE**
 45. **THE**
 46. **THE**
 47. **THE**
 48. **THE**
 49. **THE**
 50. **THE**
 51. **THE**
 52. **THE**
 53. **THE**
 54. **THE**
 55. **THE**
 56. **THE**
 57. **THE**
 58. **THE**
 59. **THE**
 60. **THE**
 61. **THE**
 62. **THE**
 63. **THE**
 64. **THE**
 65. **THE**
 66. **THE**
 67. **THE**
 68. **THE**
 69. **THE**
 70. **THE**
 71. **THE**
 72. **THE**
 73. **THE**
 74. **THE**
 75. **THE**
 76. **THE**
 77. **THE**
 78. **THE**
 79. **THE**
 80. **THE**
 81. **THE**
 82. **THE**
 83. **THE**
 84. **THE**
 85. **THE**
 86. **THE**
 87. **THE**
 88. **THE**
 89. **THE**
 90. **THE**
 91. **THE**
 92. **THE**
 93. **THE**
 94. **THE**
 95. **THE**
 96. **THE**
 97. **THE**
 98. **THE**
 99. **THE**
 100. **THE**

[illegible]

291

[illegible]

Handwritten text in the left margin, likely a library or archival stamp.

Handwritten text in the main body of the page, consisting of several lines of script in an Indic language.

संस्कृत-विभाग

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

59!

[illegible]

[illegible]

॥ अथ श्रुत्वा तदा मुनिर्ब्रूयान् ब्रह्मसंज्ञायाः प्रवृत्तिरूपं यथा स्यात् । तदा मुनिर्ब्रूयान् ब्रह्मसंज्ञायाः प्रवृत्तिरूपं यथा स्यात् । तदा मुनिर्ब्रूयान् ब्रह्मसंज्ञायाः प्रवृत्तिरूपं यथा स्यात् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

THE NEW YORK PUBLIC LIBRARY
ASTOR LENOX TILDEN FOUNDATION
500 5TH AVENUE
NEW YORK 17, N.Y.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः पराः ॥ १ ॥

[illegible]

U.S. 924.1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समागत्य मया द्रष्टव्यम् ।

3

[illegible]

三ノ宮

3. 9144

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

公啓
廣西金銀五元

227

[illegible]

650 R

[illegible]

2008-2009

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

大德堂

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥



संस्कृत-संज्ञा-सूचिका

[illegible]

653

2

[illegible]

22

श्रीवत्सलदेवस्य पुत्रस्य नाम

200

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

15

[illegible]

[illegible]

20

विद्वत्पुत्रः श्रीमद्वैद्यनाथः

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in the left margin, possibly a library or collection stamp.

Handwritten text in the main body of the page, consisting of several lines of script.

Handwritten text in the right margin, including a date or reference number.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संभूताः सर्वे आकाशस्थ पश्यन्ति महावीरान् ॥ तत्रैव हि संपद्यन्ते
 मोक्षं धर्ममयो जतुः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवत्गीताया
 प्रथमे अध्याये अर्जुनस्य वचनम् ॥

[The following text appears to be bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

3

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

44

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution. It appears to be handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

33

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

99

[illegible][illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

द्रुपद उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥

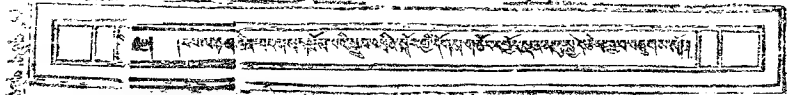
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामका पाण्डूपात्तविराटश्चैव ॥ द्रुपदभीमार्जुनसमो द्रुपदः ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामका पाण्डूपात्तविराटश्चैव ॥ द्रुपदभीमार्जुनसमो द्रुपदः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1A

1A

7621



718

[illegible]

1239

पुष्पा-पत्रिका

[illegible]

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blur and low contrast.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पु.पु.पु.

[illegible]

三

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

分 支

[illegible]

15

[illegible]

A

252



221

[illegible]

[illegible]



五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

١٠٠

[illegible]

ॐ नमः शिवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

परम

वर्षेद्विगता पञ्चविंशत्यब्दस्य वृत्तमस्ति यच्चारोऽयम् । अथैवं खलु यथा तदेवाप्युक्तं ननु अपरं दयसा सुहृद्देव एतन्नेकाग्रं सदैव लिख्यते कुतस्तथापरिशेषा

[illegible][illegible][illegible][illegible][illegible]

[illegible]

33

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in the left margin.

Handwritten text in the left margin.

Handwritten text in the main body of the manuscript, consisting of several lines of script.

Handwritten text in the right margin.

Handwritten text in the right margin.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之八

[illegible]

[illegible]

५३५

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[The image shows a page from an old manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is written in black ink on aged paper. There are several lines of text, some of which appear to be headings or titles, followed by descriptive passages. The handwriting is somewhat cursive and typical of older Indian manuscripts.]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes in Devanagari script, likely providing commentary or additional verses related to the main text.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
[Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of multiple lines of verse or prose.]
[The text continues with several lines of script, including phrases like 'नमो भगवते वासुदेवाय' and other religious or philosophical statements.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादौ तस्मात्तु यत्किंचित्करिष्यामीति चेन्न ह्यनुशङ्कम् ॥
 त्वया प्रदीप्तं पापं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकास्तैश्चैव पापबलघ्नकृतमहात्मैः ॥
 विलसन्निभो बभूवुर्धामाद्युधामन्युः पुरोधसा ॥ शैब्यश्चाप्यमरुतः सौमेत्युग्रसेन ॥
 धर्मराजश्च विक्रान्तः क्षत्रियैश्च समासीत ॥ द्रुपदश्च भीमार्जुनसहो द्रुपद उवाच ॥
 त्वं हि पांडव ! कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकास्तैश्चैव पापबलघ्नकृतमहात्मैः ॥
 विलसन्निभो बभूवुर्धामाद्युधामन्युः पुरोधसा ॥ शैब्यश्चाप्यमरुतः सौमेत्युग्रसेन ॥
 धर्मराजश्च विक्रान्तः क्षत्रियैश्च समासीत ॥ द्रुपदश्च भीमार्जुनसहो द्रुपद उवाच ॥

23

19

[illegible]

[illegible]

水部 公孫大娘之舞
 舞人 公孫大娘之舞

[illegible]

805

[illegible]

2014年12月15日

[illegible]

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

2025 RELEASE UNDER E.O. 14176

ॐ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1451

[illegible]

2102 12/22/2012

52

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

蘇子瞻

399

[illegible]

55

॥ अथ शिवजीस्य वरदानां सूचिका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 १। शिवजीस्य वरदानां सूचिका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 २। शिवजीस्य वरदानां सूचिका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ३। शिवजीस्य वरदानां सूचिका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ४। शिवजीस्य वरदानां सूचिका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ५। शिवजीस्य वरदानां सूचिका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ६। शिवजीस्य वरदानां सूचिका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ७। शिवजीस्य वरदानां सूचिका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ८। शिवजीस्य वरदानां सूचिका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ९। शिवजीस्य वरदानां सूचिका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 १०। शिवजीस्य वरदानां सूचिका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

19

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्चनम् ।
श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

Handwritten text in the right margin, likely a page number or reference.

Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of several lines of prose.

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.)

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

39

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible.]

संस्कृत-संस्कृत

291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12/10/2019

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

10

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1845. 1846. 1847. 1848. 1849. 1850. 1851. 1852. 1853. 1854. 1855. 1856. 1857. 1858. 1859. 1860. 1861. 1862. 1863. 1864. 1865. 1866. 1867. 1868. 1869. 1870. 1871. 1872. 1873. 1874. 1875. 1876. 1877. 1878. 1879. 1880. 1881. 1882. 1883. 1884. 1885. 1886. 1887. 1888. 1889. 1890. 1891. 1892. 1893. 1894. 1895. 1896. 1897. 1898. 1899. 1900. 1901. 1902. 1903. 1904. 1905. 1906. 1907. 1908. 1909. 1910. 1911. 1912. 1913. 1914. 1915. 1916. 1917. 1918. 1919. 1920. 1921. 1922. 1923. 1924. 1925. 1926. 1927. 1928. 1929. 1930. 1931. 1932. 1933. 1934. 1935. 1936. 1937. 1938. 1939. 1940. 1941. 1942. 1943. 1944. 1945. 1946. 1947. 1948. 1949. 1950. 1951. 1952. 1953. 1954. 1955. 1956. 1957. 1958. 1959. 1960. 1961. 1962. 1963. 1964. 1965. 1966. 1967. 1968. 1969. 1970. 1971. 1972. 1973. 1974. 1975. 1976. 1977. 1978. 1979. 1980. 1981. 1982. 1983. 1984. 1985. 1986. 1987. 1988. 1989. 1990. 1991. 1992. 1993. 1994. 1995. 1996. 1997. 1998. 1999. 2000. 2001. 2002. 2003. 2004. 2005. 2006. 2007. 2008. 2009. 2010. 2011. 2012. 2013. 2014. 2015. 2016. 2017. 2018. 2019. 2020. 2021. 2022. 2023. 2024. 2025. 2026. 2027. 2028. 2029. 2030. 2031. 2032. 2033. 2034. 2035. 2036. 2037. 2038. 2039. 2040. 2041. 2042. 2043. 2044. 2045. 2046. 2047. 2048. 2049. 2050. 2051. 2052. 2053. 2054. 2055. 2056. 2057. 2058. 2059. 2060. 2061. 2062. 2063. 2064. 2065. 2066. 2067. 2068. 2069. 2070. 2071. 2072. 2073. 2074. 2075. 2076. 2077. 2078. 2079. 2080. 2081. 2082. 2083. 2084. 2085. 2086. 2087. 2088. 2089. 2090. 2091. 2092. 2093. 2094. 2095. 2096. 2097. 2098. 2099. 2100. 2101. 2102. 2103. 2104. 2105. 2106. 2107. 2108. 2109. 2110. 2111. 2112. 2113. 2114. 2115. 2116. 2117. 2118. 2119. 2120. 2121. 2122. 2123. 2124. 2125. 2126. 2127. 2128. 2129. 2130. 2131. 2132. 2133. 2134. 2135. 2136. 2137. 2138. 2139. 2140. 2141. 2142. 2143. 2144. 2145. 2146. 2147. 2148. 2149. 2150. 2151. 2152. 2153. 2154. 2155. 2156. 2157. 2158. 2159. 2160. 2161. 2162. 2163. 2164. 2165. 2166. 2167. 2168. 2169. 2170. 2171. 2172. 2173. 2174. 2175. 2176. 2177. 2178. 2179. 2180. 2181. 2182. 2183. 2184. 2185. 2186. 2187. 2188. 2189. 2190. 2191. 2192. 2193. 2194. 2195. 2196. 2197. 2198. 2199. 2200. 2201. 2202. 2203. 2204. 2205. 2206. 2207. 2208. 2209. 2210. 2211. 2212. 2213. 2214. 2215. 2216. 2217. 2218. 2219. 2220. 2221. 2222. 2223. 2224. 2225. 2226. 2227. 2228. 2229. 2230. 2231. 2232. 2233. 2234. 2235. 2236. 2237. 2238. 2239. 2240. 2241. 2242. 2243. 2244. 2245. 2246. 2247. 2248. 2249. 2250. 2251. 2252. 2253. 2254. 2255. 2256. 2257. 2258. 2259. 2260. 2261. 2262. 2263. 2264. 2265. 2266. 2267. 2268. 2269. 2270. 2271. 2272. 2273. 2274. 2275. 2276. 2277. 2278. 2279. 2280. 2281. 2282. 2283. 2284. 2285. 2286. 2287. 2288. 2289. 2290. 2291. 2292. 2293. 2294. 2295. 2296. 2297. 2298. 2299. 2300. 2301. 2302. 2303. 2304. 2305. 2306. 2307. 2308. 2309. 2310. 2311. 2312. 2313. 2314. 2315. 2316. 2317. 2318. 2319. 2320. 2321. 2322. 2323. 2324. 2325. 2326. 2327. 2328. 2329. 2330. 2331. 2332. 2333. 2334. 2335. 2336. 2337. 2338. 2339. 2340. 2341. 2342. 2343. 2344. 2345. 2346. 2347. 2348. 2349. 2350. 2351. 2352. 2353. 2354. 2355. 2356. 2357. 2358. 2359. 2360. 2361. 2362. 2363. 2364. 2365. 2366. 2367. 2368. 2369. 2370. 2371. 2372. 2373. 2374. 2375. 2376. 2377. 2378. 2379. 2380. 2381. 2382. 2383. 2384. 2385. 2386. 2387. 2388. 2389. 2390. 2391. 2392. 2393. 2394. 2395. 2396. 2397. 2398. 2399. 2400. 2401. 2402. 2403. 2404. 2405. 2406. 2407. 2408. 2409. 2410. 2411. 2412. 2413. 2414. 2415. 2416. 2417. 2418. 2419. 2420. 2421. 2422. 2423. 2424. 2425. 2426. 2427. 2428. 2429. 2430. 2431. 2432. 2433. 2434. 2435. 2436. 2437. 2438. 2439. 2440. 2441. 2442. 2443. 2444. 2445. 2446. 2447. 2448. 2449. 2450. 2451. 2452. 2453. 2454. 2455. 2456. 2457. 2458. 2459. 2460. 2461. 2462. 2463. 2464. 2465. 2466. 2467. 2468. 2469. 2470. 2471. 2472. 2473. 2474. 2475. 2476. 2477. 2478. 2479. 2480. 2481. 2482. 2483. 2484. 2485. 2486. 2487. 2488. 2489. 2490. 2491. 2492. 2493. 2494. 2495. 2496. 2497. 2498. 2499. 2500. 2501. 2502. 2503. 2504. 2505. 2506. 2507. 2508. 2509. 2510. 2511. 2512. 2513. 2514. 2515. 2516. 2517. 2518. 2519. 2520. 2521. 2522. 2523. 2524. 2525. 2526. 25

[illegible]

5

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

अविद्यावर्ग २५५५१७३

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

STEFAN QUINER

[illegible]

478

[illegible]

ॐ

॥ कर्मसु सुखं न भवति ॥

पदे कर्म यं नैव स पदं न चोच्यते ॥ सुखं हि न भवति न ह्यसुखं न च न

सुखं न च ॥ सुखं हि न भवति न ह्यसुखं न च न सुखं न च ॥ सुखं हि न भवति न ह्यसुखं न च न

पदे कर्म यं नैव स पदं न चोच्यते ॥ सुखं हि न भवति न ह्यसुखं न च न सुखं न च ॥ सुखं हि न भवति न ह्यसुखं न च न

सुखं हि न भवति न ह्यसुखं न च न सुखं न च ॥ सुखं हि न भवति न ह्यसुखं न च न सुखं न च ॥ सुखं हि न भवति न ह्यसुखं न च न

ಕರ್ನಾಟಕ ಶಾಂತಿ ಸೇವಾ ಸಂಸ್ಥೆ

132

[illegible]

13

[illegible]

29

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

何子

[illegible]

अथर्ववेद

२०७। ईति नमो भगवते वासुदेवाय । इति पञ्चमोऽध्यायः समाप्तः । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

591

[illegible]

[illegible]

২৪৭৭

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

अथैव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

69

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

33

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

स. नं० ५३३७

[illegible]

82

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

உள்ளே இருக்கிறீர்கள்

[illegible]

13

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the main body of the page.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

27

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

239

[illegible]

[illegible]



81

[illegible]

[illegible]

३५६

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to significant fading or damage to the original manuscript.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
 अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥ १८ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal note on the left side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, consisting of approximately 10 lines. The text is written in a cursive style and appears to be a religious or philosophical passage. The first line begins with a large, stylized character, possibly a 'Om' or a similar sacred symbol. The text continues with various words and phrases, some of which are underlined or written in a slightly different script. The final line ends with a large, stylized character, possibly a 'Namah' or a similar sacred symbol.

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

...की । १५ । १६ । १७ । १८ । १९ । २० । २१ । २२ । २३ । २४ । २५ । २६ । २७ । २८ । २९ । ३० । ३१ । ३२ । ३३ । ३४ । ३५ । ३६ । ३७ । ३८ । ३९ । ४० । ४१ । ४२ । ४३ । ४४ । ४५ । ४६ । ४७ । ४८ । ४९ । ५० । ५१ । ५२ । ५३ । ५४ । ५५ । ५६ । ५७ । ५८ । ५९ । ६० । ६१ । ६२ । ६३ । ६४ । ६५ । ६६ । ६७ । ६८ । ६९ । ७० । ७१ । ७२ । ७३ । ७४ । ७५ । ७६ । ७७ । ७८ । ७९ । ८० । ८१ । ८२ । ८३ । ८४ । ८५ । ८६ । ८७ । ८८ । ८९ । ९० । ९१ । ९२ । ९३ । ९४ । ९५ । ९६ । ९७ । ९८ । ९९ । १०० ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

551

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ।
मामकाश्च पांडवाश्चैव किमकुर्वत सैन्यमावृतम् । द्रुपद उवाच ।
अस्मि त्वां शिरसा हविर्मान्मसां प्रतिष्ठापितम् । इति श्रीभगवद्गीताया
प्रथमेऽध्याये समाप्तम् ॥

[illegible]

श्री ॐ नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः अष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥

741

[illegible]

22

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

947.

[illegible]

[illegible]

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

100 - 100 = 0

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense block of handwritten or printed script.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

Ch. J.

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and poor reproduction quality. It appears to be a continuation of the handwritten script from the previous block.]

19

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

22

वर्द्धक्यं चक्षिष्यं चक्षुःशून्यं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्ति मामासीत । त्वमेकाग्रचित्तो वर्तमानः ॥

[illegible]

Amoté, hén, hén, hén

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबाहो । शूरा महेन्द्र ! पाण्डवस्य द्रुपदस्य पुत्रस्तथा । भीमार्जुनसमा युधि । विक्रान्तभीमवान् । द्रुपदस्य पुत्रस्तथा । भीमार्जुनसमा युधि । विक्रान्तभीमवान् ।

16

[illegible]

पुस्तकें पढ़ें - वेद पौराण्य

[illegible]

16

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १० ॥

[illegible]

১৯৪৬ খ্রিঃ ১০/১১/৪৬

157

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सारथीमण्यवराः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

45

५४५. १४४५-४६

[illegible]

22

[The following text appears to be bleed-through from another page or is extremely faint script.]

[illegible][illegible]

181 981 98

12/19